हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, गुरुवार 12 मार्च 2026

11 नशे के खिलाफ जंग, शहीदों की याद में 23 मार्च को निकलेगी यात्रा

12 डीसी ने की मिड डे मील की खाद्य सामग्री की जांच

इजराइल-अमेरिका और ईरान युद्ध का असर : जिले में घरेलू गैस को लेकर अफरातफरी

रसोई पर संकट : इंडेन गैस का स्टॉक खत्म, टोल फ्री नंबर में खराबी के चलते नहीं हो पाई बुकिंग

■ बीपीसीएल और एचपीसीएल के पास पर्याप्त स्टॉक

सुरेन्द्र असीजा ▶▶| फतेहाबाद

इजराइल-अमेरिका और ईरान युद्ध के चलते फतेहाबाद जिले में घरेलू गैस को लेकर लोगों में हाहाकार की स्थिति बनी हुई है। जिले में आईओसीएल की गैस एजेंसी इंडेन के पास स्टॉक खत्म है जबकि बीपीसीएल और एचपीसीएल के पास पर्याप्त स्टॉक है लेकिन लोगों में भविष्य में गैस किल्लत की संभावना को देखते हुए गैस एजेंसी के बाहर लाइनें लग रही है। माना जा रहा है कमर्शियल गैस सिलेंडर पर प्रतिबंध के बावजूद व्यवसायिक संस्थानों ने गैस की 'कृत्रिम शॉर्टेज' की स्थिति पैदा कर दी है। गैस एजेंसियों के संचालकों व जिला प्रशासन का साफ कहना है कि जिले में किसी प्रकार की घरेलू गैस की कमी नहीं है। घरेलू उपभोक्ता 25 दिन अब अपने सिलेंडर की बुकिंग करवाएं। बुकिंग के दो दिन के अंदर उनको सिलेंडर मिल जाएगा। इसके लिए उपभोक्ता को जरूरी प्रक्रिया अपनानी होगी। उधर, गैस एजेंसियों के टोल फ्री नंबर में तकनीकी खराबी आने के चलते बुधवार को पूरे देश में ऑनलाइन गैस सिलेंडरों की बुकिंग नहीं हो सकी। इन परिस्थितियों ने आम जनता व प्रशासन के लिए 'कोढ में खाज' का काम किया है।

जब से ईरान-अमेरिका के बीच युद्ध शुरू हुआ है तो वहां से भारत आने वाले कच्चे तेल के आयात को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही है। जंग के 12वें दिन वह स्थिति आ खड़ी हुई, जिसकी आशंका थी। प्रदेश सरकार ने पहले ही कमर्शियल सिलेंडरों की बुकिंग बंद कर दी थी और आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एस्मा भी लागू कर दिया है ताकि कोई कालाबाजारी न कर पाए। अभी तक इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पास भी जिले में 5 दिन का स्टॉक माना जा रहा था। जिले में इन तीनों कम्पनियों की 23 एजेंसियां हैं, जिन पर 3 लाख 24 हजार 503 उपभोक्ताओं ने कनैक्शन ले रखे हैं। एजेंसी संचालकों का कहना है कि जितनी बुकिंग होती है, 24 घंटे में उसकी सप्लाई दे दी जाती है। बस उपभोक्ताओं को 25 दिन बाद बुकिंग करवानी है और 24 घंटे इंतजाम करना है। शर्त यही है कि उपभोक्ता का केवाईसी पूरा होना चाहिए। जिन घरेलू उपभोक्ताओं की गैस कॉपी बनी हुई है, उन्हें सिलैण्डर की कोई दिक्कत नहीं आ रही। बुधवार को आईओसीएल के अधीन आने वाले इंडेन गैस एजेंसी में घरेलू सिलैंडरों का स्टॉक खत्म हो गया जबकि शेष दोनों कम्पनियों के पास कुछ ही दिन का स्टॉक रह गया है। इसको लेकर जिला प्रशासन ने आपात बैठक भी बुलाई और गैस एजेंसी संचालकों के साथ उपभोक्ताओं को भी आवश्यक निर्देश दिए।

रतिया। गैस एजेंसियों पर लगी लोगों की भीड़ और शहर की सुखमणी भारत गैस एजेंसी का फाइल फोटो।

एडीसी ने गैस एजेंसियों के प्रबंधकों के साथ की बैठक

सभी गैस एजेंसियों के प्रबंधकों को निर्देश दिए गए हैं कि यदि कोई उपभोक्ता बुकिंग के बाद गैस रिफिल लेकर उसे बाजार में बेचता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सभी उपभोक्ता अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण कर लें, ताकि गैस बुकिंग के दौरान उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। गैस एजेंसियों को कहा गया है कि गैस की डिलीवरी उपभोक्ता के ओटीपी प्राप्त होने के उपरांत ही की जाए। बिना बुकिंग के किसी भी उपभोक्ता को गैस रिफिल न दी जाए तथा सभी उपभोक्ताओं को आईबीआरएस हिदायतों के अनुसार 25 दिन के अंतराल के बाद ही गैस रिफिल के लिए बुकिंग करने के लिए प्रेरित किया जाए।

रेस्टोरेंट व ढाबा संचालकों ने पैदा की गैस की 'कृत्रिम कमी'

कमर्शियल गैस सिलैंडरों की बुकिंग पर रोक लगने के बावजूद रेस्टोरेंट व ढाबा संचालकों की नजर घरेलू गैस सिलैंडरों पर पड़ गई है। यही कारण है कि आम घरेलू उपभोक्ता सिलैंडर लेने के लिए एजेंसी की ओर दौड़ पड़े हैं। अब तक घर-घर घूमकर सिलैंडर देने वाले वेंडर भी एजेंसी में बैठ गए हैं। दरअसल ढाबा व रेस्टोरेंट संचालकों को किसी भी कीमत पर सिलैंडर चाहिए इसलिए वह उपभोक्ताओं को ज्यादा पैसे देकर गैस बुकिंग के लिए उकसा रहे हैं। उधर, अब तक केवाईसी की तरफ ध्यान न देने वाले उपभोक्ता भी अब केवाईसी करवाने के लिए एजेंसियों के बाहर लाइनों में लग गए हैं। यही कारण है कि घरों में डिमांड न आने के बावजूद इन लोगों ने गैस की कृत्रिम कमी पैदा कर दी है।

शीघ्र ही टीमें बाजार में होंगी

जिले में घरेलू गैस की कोई कमी नहीं है। उपभोक्ता नियमानुसार बुकिंग करवाकर गैस ले सकता है। एक उपभोक्ता का कोई दूसरा सिलैंडर न ले सके, इसके लिए कॉपी धारक को वेंडर से ओटीपी जाएगा। इसे बताने के बाद ही उपभोक्ता सिलैंडर की डिलीवरी ले पाएगा। उपभोक्ता पेनिक न हों, जमाखोरी रोकने के लिए शीघ्र ही टीमें बाजार में होंगी।

-कौशल बूरा, डीएफएससी फतेहाबाद

जिले में गैस की कोई कमी नहीं

गैस एजेंसियों के टोल फ्री नंबर में तकनीकी खराबी आने के चलते बुधवार को पूरे देश में ऑनलाइन गैस सिलैंडरों की बुकिंग नहीं हो सकी। जिले में गैस की कोई कमी नहीं है। काउंटर पर गैस की बुकिंग हो रही हैं। इसके अलावा गूगल पे से भी सिलैंडर की बुकिंग करवा सकते हैं। 25 दिन के बाद उपभोक्ता गैस सिलैण्डर की बुकिंग करवा सकते हैं। दो दिन में उनको सिलैंडर सप्लाई कर दिया जाएगा। जिन उपभोक्ताओं ने अपना केवाईसी नहीं करवाया है, वह अवश्य करवा लें अन्यथा उनकी सप्लाई रोकी जा सकती है।

-मैनेजर, श्री बालाजी गैस एजेंसी फतेहाबाद

क्या कहते हैं ढाबा व फास्ट फूड संचालक

शहर के ढाबा संचालकों व फास्ट फूड संचालकों का कहना है कि अब तक हमारे पास कमर्शियल सिलैंडर पड़े थे लेकिन पिछले 4-5 दिन से कमर्शियल गैस सिलैंडर नहीं मिल रहे इसलिए वह डीजल की भट्ठी व इलैक्ट्रिक चूल्हे खोज रहे हैं। दरअसल इलैक्ट्रिक चूल्हे व भट्ठी शादियों में कैटरिंग वाले यूज करते हैं। इन्हें टैन्ट वाले किराये पर भी दे रहे हैं। अब रेस्टोरेंट, ढाबा व फास्ट फूड की रेहड़ी वाले गैस सिलैंडर का विकल्प इसे ही बना रहे हैं।

गैस और पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्यः डीएफएससी

जिला खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले नियंत्रक हरवीर ने बुधवार को जिला में कार्यरत सभी गैस कंपनियों की एजेंसियों के मालिकों व प्रतिनिधियों की बैठक ली। बैठक में अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के चलते गैस आपूर्ति पर संभावित प्रभाव को लेकर चर्चा की गई और यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी न आने पाए। हरवीर ने सभी गैस एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए कि जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की किसी भी स्थिति में कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यवसायिक सिलेंडरों की सप्लाई बंद होने की स्थिति में घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी या दुरुपयोग न होने पाए। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा केंद्रवार विशेष टीमों का गठन भी किया गया है, जो इस पर निगरानी रखेंगी।

सिरसा में कालाबाजारी रोकने के लिए प्रशासन ने गठित की टीमें

■ कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति बंद

■ बुकिंग करने के 7 से 15 दिन बाद मिला रहा सिलेंडर

सिरसा। इजराइल-अमेरिका और ईरान युद्ध का असर गैस पर दिखाई देने लगा है। सिरसा जिला में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई बंद कर दी गई है। व्यवसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति बंद होने से घरेलू गैस उपभोक्ताओं पर असर पड़ेगा। जिला प्रशासन ने गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने के लिए विशेष टीमों का गठन किया है। हालांकि जिला प्रशासन से साफ कहा है कि घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति फिलहाल सुचारू रहेगी। सिरसा में करीब 761 कमर्शियल उपभोक्ता हैं। इसके विपरीत गैस उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले बुकिंग करने पर एक से 2 दिन में घरेलू सिलेंडर की डिलीवरी हो जाती थी, लेकिन अब इसमें एक हफ्ते से 15 दिन तक का टाइम लग रहा है। लोगों की शिकायत है कि गैस एजेंसियां ऑनलाइन बुकिंग नहीं कर रही।

होटल- ढाबा संचालक कर रहे हैं वैकल्पिक व्यवस्था

सरकार ने कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति पर रोक लगा दी है। होटल, ढाबों, चाय स्टालों, रेहड़ी, खोखे वालों ने इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी शुरू कर दी है। गैस किल्लत को देखते हुए प्रतिष्ठित सिरसा क्लब में कैटरिंग व्यवस्था को बंद कर दिया गया है। गैस एजेंसियों के संचालकों कहना है कि गैस बुकिंग कराने वालों की संख्या में अचानक इजाफा हो गया है। कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित होने से लोग प्रभावित हो रहे हैं। घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति अभी सामान्य है।

रतिया में गैस एजेंसियों से सिलेंडर लेने उमड़ी भारी भीड़

रतिया। ईरान-अमेरिका-इजराइल युद्ध के बीच रसोई गैस किल्लत की चर्चाओं के बाद गैस का मात्र 7 दिन का स्टॉक होने की बात सोशल मीडिया पर चलने के बाद उपभोक्ताओं में हडकंप की स्थिति बनी हुई है। गैस की कमी को लेकर चिंता का माहौल होने के बाद बुधवार को गैस उपभोक्ता सिलिंडर की बुकिंग करवाने के लिए भारी संख्या में एजेंसियों पर पहुंचे और लाइन में लगकर गैस एजेंसी संचालकों से गैस सिलेंडर की मांग करने लगे। लोगों की बढ़ती भीड़ को देखकर गैस एजेंसी संचालकों ने एजेंसी का गेट बंद कर दिया जिसके चलते गैस सिलेंडर लेने आए गैस उपभोक्ताओं ने रोष व्यक्त करना शुरू कर दिया और एजेंसी संचालकों पर ब्लैक में सिलेंडर बेचने के आरोप लगाए। भारत गैस के मैनेजर रामनिवास ने बताया कि गैस की कोई किल्लत नहीं है बल्कि केवाईसी न होने के कारण सिलेंडर बुक नहीं हो रहे हैं इसलिए लोगों में बेवजह डर फैल रहा है। सरकारी निर्देशों के अनुसार बुकिंग हर 25 दिन में ही हो सकती है इसलिए उपभोक्ता सिलिंडर रिफिल बुक करवाकर घर पर स्टॉक रखने को लेकर ही गैस एजेंसी आ रहे है। प्रबंधक ने बताया कि गैस उपभोक्ता घर बैठे ऑनलाइन बुकिंग करवा ले और बुकिंग के तुरंत बाद या अगले दिन सिलैंडर सप्लाई कर दिए जाएगे।

कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति रोकने से व्यापार ठप हो जाएंगेः गर्ग

सिरसा। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति रोकने से व्यापार ठप हो जाएंगे। कमर्शियल गैस की आपूर्ति प्रभावित होने से होटल, ढाबे, हलवाई, उद्योग, विवाह-शादी व अन्य व्यापार पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। बजरंग गर्ग बुधवार को सिरसा जिले के रानियां शहर में व्यापारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। गर्ग ने सरकार को कमर्शियल गैस की आपूर्ति को सुचारू रूप से चालू करनी चाहिए, ताकि व्यापार व उद्योग पर बुरा असर ना पड़े। बजरंग गर्ग ने कहा कि एलपीजी सिलेंडर पर 60 रुपए व कमर्शियल सिलेंडर पर 125 रुपए की बढ़ोतरी करने से जनता में बड़ी भारी नाराजगी है। एलपीजी सिलेंडर व कमर्शियल गैस सिलेंडर के रेटों की बढोतरी से आम जनता पर भारी भरकम बोझ पड़ेगा।, सरकार ने रसोई गैस सिलेंडर में भारी भरकम बढ़ोतरी करके 931 रुपए का कर दिया।

खबर संक्षेप

अवैध हथियार के साथ घूम रहा युवक काबू

फतेहाबाद। अपराध जांच शाखा फतेहाबाद टीम ने भूना शहर में एक युवक को अवैध पिस्टल और कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दीपक उर्फ अरुण पुत्र जोगिंदर सिंह, निवासी वार्ड नंबर 5, भूना के रूप में हुई है। अपराध जांच शाखा फतेहाबाद प्रभारी उप निरिक्षक वेदपाल ने बताया कि पुलिस टीम सरकारी गाड़ी में गश्त और संदिग्धों की पड़ताल हेतु फतेहाबाद से भूना की ओर जा रही थी। इसी दौरान कार्रवाई की।

ट्रक ने गाड़ी को मारी टक्कर, चालक बचा

टोहाना। उपमंडल के गांव भोडिया खेड़ा के पास एक ट्रक ने पीछे आ रही सेंट्रो कार को टक्कर मार दी, जिससे कार सवार दो व्यक्ति बाल बाल-बच गए। इस हादसे में कार का चालक साइड का हिस्सा भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दिए बयान में इंदिरा कॉलोनी निवासी गौतम सिंह ने बताया कि वह अपने दो अन्य साथियों के साथ फतेहाबाद किसी काम के लिए गया था, जब वह अपनी कार से वापस टोहाना आ रहा था इसी दौरान हादसा हुआ।

केबल चोरी करने मामले में दूसरा आरोपी पकड़ा

फतेहाबाद। गांव हिजरावां कलां और दरियापुर क्षेत्र में कई किसानों की मोटरों से केबल चोरी होने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने दूसर आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान उमेश पुत्र रामू निवासी जोधकां जिला सिरसा के रूप में हुई है। थाना प्रभारी प्रहलाद ने बताया कि बलबीर चंद ने पुलिस को शिकायत दी थी कि 19 अज्ञात चोरों ने करीब 435 फीट केबल चोरी कर ली थी।

हादसे को दे रहा न्योता, लोग परेशान

माजरा रोड पर खुला सीवरेज मेन होल बना डेथ ट्रैप

■ पिछले एक महीने से समस्या, लोगों का निकलना मुश्किल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर के माजरा रोड क्षेत्र में प्रशासन की लापरवाही आम जनमानस के लिए जानलेवा साबित हो रही है। आजाद मूंगफली फैक्ट्री वाली गली में पिछले करीब एक महीने से सीवरेज का एक मेन होल खुला पड़ा है, जो किसी भी समय बड़े हादसे का सबब बन सकता है। माजरा रोड निवासी दर्शन सिंह के घर के सामने स्थित इस मेन होल को संबंधित विभाग द्वारा किसी मरम्मत कार्य के लिए खोला गया था। विडंबना यह है कि काम पूरा करने या इसे सुरक्षित तरीके से ढंकने के बजाय, विभाग ने इसे 'जैसे का तैसा' खुला छोड़ दिया है। इस खुले मेन होल के कारण न केवल रास्ता बाधित हो रहा है, बल्कि क्षेत्र में गंदगी और असहनीय बदबू का आलम बना हुआ है, जिससे लोगों का जीना मुहाल हो गया है। माजरा रोड निवासी आजाद मित्तल, सुखदेव सिंह, सतनाम सिंह और कन्हैया पंडित ने बताया कि विभाग के कर्मचारियों ने काफी दिन पहले यहां खुदाई की थी, लेकिन अब तक इसे दुरुस्त नहीं किया गया है।

फतेहाबाद। माजरा रोड पर बना खुला पड़ा सीवरेज मेनहोल।

पिकअप-ट्रॉले की टक्कर, किशोर की मौत, एक ही परिवार के 12 लोग घायल

■ गांव हमजापुर के पास हुआ हादसा, घायलों को मेडिकल किया रेफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतियाा

क्षेत्र के गांव हमजापुर के पास मंगलवार देर रात श्रद्धालुओं से भरी पिकअप और ट्रॉले के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में 15 वर्षीय किशोर सतीश निवासी अयाल्की की मौत हो गई जबकि एक ही परिवार के 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए रतिया के नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। देर रात इनमें से 6 लोगों की तबीयत बिगडऩे पर इन्हें अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दो ट्राला चालक आपसी रेस में तेज गति से जा रहे थे, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ। बुधवार को पुलिस घायलों के ब्यान दर्ज कर आगामी कार्रवाई कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार गांव अयाल्की निवासी रामकुमार गांव में ही चौकीदार के तौर पर काम करता है। रामकुमार का परिवार मंगलवार को गांव से ही एक गाड़ी किराये पर लेकर गया था। इस पिकअप गाड़ी को भूप सिंह चला रहा था। हादसे में घायल रमनजीत ने बताया कि परिवार के सभी सदस्य गांव कालवन में एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे।

रतिया। दुर्घटनाग्रस्त पिकअप व ट्राला। फोटो : हरिभूमि

पुलिस को किया सुचित

टक्कर के बाद मची चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने गाड़ी में फंसे घायलों को बाहर निकाला और तुरंत 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल 112 की गाड़ी और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तुरंत नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया। चिकित्सकों ने हादसे में घायल 15 वर्षीय सतीश को मृत घोषित कर दिया।

एक करोड़ 14 लाख रुपये की हेरोइन और अफीम बरामद

■ आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस ने सिरसा जिले क्षेत्र में नशा तस्करों पर प्रहार करते हुए चार नशा तस्करों को करीब एक करोड 14 लाख रुपये की हेरोइन व अफीम बरामद की है। कालांवाली के डीएसपी संदीप धनखड़ ने बुधवार को प्रेसवार्ता में बताया कि तस्कर पंजाब के हैं और सिरसा जिला में नशा सप्लाई करने की फिराक में थे। पुलिस टीमों ने आधा किलोग्राम हेरोइन व दो किलो 754 ग्राम अफीम बरामद की है। डीएसपी ने बताया कि सीआईए स्टाफ कालांवाली प्रभारी सुरेश कुमार टीम के साथ गश्त पड़ताल के दौरान डबवाली से कालांवाली रोड भारतमाला पुल क्षेत्र में मौजूद थे। पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान एक कार आती दिखाई दी, पुलिस ने शक के आधार पर कार को तलाशी के लिए रोका। कार की तलाशी ली गई तो कार से 503 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। डीएसपी संदीप धनखड़ ने बताया कि इसके अलावा पुलिस ने बठिंडा निवासी दीपा सिंह को दो किलो 754 ग्राम अफीम सहित गिरफ्तार किया है। आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड हासिल किया जाएगा।

सिरसा। पत्रकारों को जानकारी देते डीएसपी संदीप धनखड़।

मांग रेल मंत्री बोले : कम यातायात अनुमान के कारण इस परियोजना को आगे नहीं बढ़ाया जा रहा

संसद में गूंजा हिसार-फतेहाबाद-सिरसा रेल लाइन का मामला, सांसद की मांग को रेलमंत्री ने किया 'रिजेक्ट'

■ रेल मंत्री के जवाब से फतेहाबादवासियों की रेल से जुड़ने के सपने चकनाचूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद और अग्रोहा को रेल लाइन से जोड़ने की मांग एक बार फिर लोकसभा में गूंजी है। पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी, तत्कालीन रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव सहित सहित बड़े नेताओं की घोषणा के बावजूद यहां के लोग अब भी रेल सुविधा को तरस रहे हैं। हालांकि रेलमंत्री ने संसद में दिए अपने जवाब में इस प्रोजेक्ट को यह कहकर नकार दिया कि यहां यातायात का आवागमन कम है। रेल मंत्री के जवाब से फतेहाबादवासियों की रेल से जुड़ने के सपने को चकनाचूर कर दिया है। हुआ यूं कि सिरसा की सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने आज लोकसभा में हिसार-फतेहाबाद-सिरसा नई रेलवे लाइन परियोजना का मुद्दा उठाते हुए केंद्र सरकार से इस परियोजना का पुनर्मूल्यांकन कर इसे स्वीकृति देने की मांग की। लोकसभा में पूछे गए तारांकित प्रश्न के उत्तर में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि हिसार और सिरसा पहले से ही भट्टू कलां के माध्यम से भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं।

अग्रोहा प्रमुख तीर्थ स्थल बनकर विकसित हो रहा

कुमारी सैलजा ने यह भी कहा कि अग्रोहा का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व अत्यंत बड़ा है, जिसे सरकार नजरअंदाज कर रही है। अग्रोहा अग्रवाल समाज का प्रमुख तीर्थ स्थल बनकर पूरे देश में विकसित हो रहा है और यहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। उन्होंने मांग की कि अग्रोहा को रेलवे नेटवर्क से जोडने के लिए इस परियोजना का सामाजिक और धार्मिक महत्व के आधार पर पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए। सांसद ने सरकार द्वारा इस परियोजना को वर्षों से ठंडे बस्ते में डालने पर भी आपत्ति जताई और कहा कि यदि परियोजना का पुनर्मूल्यांकन किया जाता है तो उसके सर्वेक्षण, स्वीकृति और निर्माण कार्य के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की जानी चाहिए, ताकि लंबे समय से प्रतीक्षित इस रेल सुविधा का लाभ क्षेत्र की जनता को मिल सके।

रेलवे परियोजना की स्वीकृति कई मानकों पर आधारितः रेल मंत्री

उन्होंने कहा कि हिसार से फतेहाबाद और अग्रोहा के रास्ते सिरसा तक लगभग 93 किलोमीटर लंबी प्रस्तावित रेल लाइन का सर्वेक्षण किया गया था, लेकिन कम यातायात अनुमान के कारण इस परियोजना को आगे नहीं बढ़ाया जा सका। रेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी रेलवे परियोजना की स्वीकृति कई मानकों पर आधारित होती है, जिनमें संभावित यातायात, परियोजना की लाभप्रदता, क्षेत्रीय संपर्क, भीड़भाड़ वाली लाइनों को राहत, जनप्रतिनिधियों की मांग, सामाजिक-आर्थिक लाभ तथा उपलब्ध बजट जैसे कारक शामिल होते हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हिसार-फतेहाबाद-सिरसा रेल लाइन लंबे समय से क्षेत्र की जनता की महत्वपूर्ण मांग रही है और केवल आर्थिक प्रतिफल के आधार पर इस परियोजना को ठंडे बस्ते में डालना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि इस रेल लाइन के बनने से क्षेत्र में उद्योग, व्यापार, कृषि और शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा होंगी और लोगों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी।

टोहाना में रेललाइन किनारे सुरक्षा दीवार न होने से हादसों का बड़ा भय

■ सांसद ने रेलमंत्री को लिखा पत्र

टोहाना। शहर के रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नम्बर 2 से ओवरब्रिज तक रेल लाइन के किनारे सुरक्षा दीवार का अभाव होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। इस समस्या को लेकर सांसद कुमारी सैलजा ने रेलमंत्री अश्विन वैष्णव को पत्र लिखकर कार्यवाही की अपील की हैं। सांसद के अनुसार इस समस्या के कारण राजनगर, भाट बस्ती और आसपास की कॉलोनियों के निवासी तथा विद्यार्थी रोजाना खुले रेलवे ट्रैक को पार करने के लिए मजबूर हैं, जिससे किसी भी समय गंभीर दुर्घटना हो सकती है। सांसद ने कहा कि इसी प्रकार बलियाला रोड से वाल्मीकि स्वर्ग आश्रम तक रेलवे अंडरपास के आसपास भी चारदीवारी न होने के कारण लोगों की सुरक्षा खतरे में है। जनसुरक्षा के इस गंभीर विषय को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर उक्त स्थानों पर सुरक्षा दीवार के निर्माण तथा सुरक्षित आवागमन के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि स्थानीय नागरिकों और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इस बारे में वार्ड दो से पूर्व पार्षद शेर सिंह ने कहा कि इस समस्या को लेकर वार्ड एक और दो के लोगो को दिक्कत का सामना करना पड़ता है जिसके चलते करीबन 500 बच्चे रोजाना रेलवे ट्रैक को क्रास कर स्कूल जाते है जिससे कभी भी हादसा हो सकता हैं। इन वार्डों में शहर की आबादी का करीबन 15 फीसदी लोग रहते है जिनके लिए स्किल न होने के कारण बच्चों को मजबूरन रेलवे ट्रैक क्रॉस करनी पड़ती है। सरकार को इस कालोनी में स्कूल की शुरुआत करनी चाहिए ताकि बच्चों को अपनी जान जोखिम में डालकर न जाना पड़े।

हरी सब्जियां हर मौसम में उपलब्ध रहती हैं। इन सब्जियों के सेवन से न केवल इम्यूनिटी बढ़ती है, जरूरी विटामिंस और मिनरल्स शरीर को मिलते हैं। साथ ही कई तरह के रोगों से भी बचाव होता है। हरी सब्जियों के सेवन से होने वाले फायदों के बारे में जानिए।

पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं हरी सब्जियां

डाइट सजेशन

डॉ. अनुजा चौहान
डाइटीशियन

आजकल की इस आपा-धापी भरी जीवनशैली में लोग स्वस्थ रहने के लिए नेचुरल चीजों के बजाय महंगे सप्लीमेंट्स और सुपर फूड्स पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं। जबकि हर मौसम में प्रकृति हमें पोषक तत्वों से भरपूर ऐसे फल, सब्जियां प्रदान करती है, जो सस्ते और आसानी से उपलब्ध होते हैं। ये शरीर की जरूरत के अनुसार ऊर्जा और पोषण प्रदान करते हैं और हमें कई रोगों से भी बचाते हैं।

हर मौसम में उपलब्ध: हमारे देश में मौसम के अनुसार अलग-अलग तरह की हरी सब्जियां उगाई जाती हैं। सर्दी के मौसम में जहां हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे-पालक, मेथी, बथुआ, सरसों, सोया और केल खूब मिलते हैं। वहीं गर्मी के मौसम में करेला, भिंडी, तोरई, चौलाई का साग, पत्ता गोभी का सेवन किया जा सकता है। ब्रोकली, शिमला मिर्च, लौकी जैसी हरी सब्जियां लगभग हर मौसम में मिल जाती हैं। ये सभी

हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। ये सब्जियां हमारे स्थानीय बाजार में आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं।

होते हैं कई पोषक तत्व: सभी हरी सब्जियां, कैलोरी में कम और पोषण में अधिकतम होने की वजह से इनको 'न्यूट्रिएंट डेंसिटी' वाली डाइट भी कहा जाता है। ये सब्जियां विटामिन्स, मिनरल, फाइबर और फाइटोकेमिकल्स से भरपूर होती हैं। मेथी और सरसों का साग फोलेट, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट्स का प्रचुर स्रोत माने जाते हैं। देखा गया है कि एक कप कच्चे पालक में दैनिक आवश्यकता का विटामिन-ए, विटामिन-के, आयरन कैल्शियम मिलता है। इतना ही नहीं, हरी सब्जियां क्लोरोफिल से भरपूर होती हैं, जो खून की शुद्धिकरण और ऑक्सीजन परिवहन में सहायक होता है।

कई रोगों से करे बचाव: हरी सब्जियों में मौजूद ल्यूटिन, जियाजैंथिन और बीटा-कैरोटिन जैसे यौगिक, फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं, उन्हें नष्ट कर शरीर से बाहर करने में सहायक होते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियों में नाइट्रेट्स जैसे तत्वों की मौजूदगी हृदय रोग के जोखिम को कम करने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मददगार होती है। कुछ हरी सब्जियां जैसे सरसों, केल, ग्लूकोसाइनोलेट्स नामक यौगिक छोड़ती हैं, जो फ्री रेडिकल्स के विकास को रोकने में सहायक होता है। इनके अतिरिक्त विटामिन-के अच्छा स्रोत होने की वजह से ये सब्जियां हड्डियों में कैल्शियम के जमाव और ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। साथ ही कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स और उच्च फाइबर के कारण ये ब्लड शुगर को स्थिर रखती हैं। हरी सब्जियां इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाने में सहायता करती हैं। इनमें मौजूद ल्यूटिन और जियाजैंथिन कंपाउंड आंखों की कोशिकाओं को मजबूती देता है। विटामिन सी और ए, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। इस प्रकार हरी पत्तेदार सब्जियां पोषण का सबसे किफायती और प्रभावी स्रोत हैं। ये ना केवल बीमारियों से बचाती हैं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करती हैं। अपने संतुलित आहार में इन्हें प्रमुख स्थान दें और प्रकृति के इस अनमोल उपहार का पूरा लाभ उठाएं। लेकिन इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि अपनी डाइट में मौसम के अनुसार अलग-अलग प्रकार की हरी सब्जियां शामिल करें। *

प्रस्तुति: संध्या रानी

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. मनीषा सहाय
एचओडी-नेफ्रोलॉजी
उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल एंड मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद

स्पेशल: वर्ल्ड किडनी डे, 12 मार्च

शरीर में मौजूद छोटा सा एक जोड़ी अंग किडनी, बहुत महत्वपूर्ण काम करता है। इसमें गड़बड़ी होने से आपको गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए यह जानना बहुत जरूरी है कि किडनी में किन वजहों से किस तरह की समस्याएं हो सकती हैं? साथ ही यह भी जानिए कि किडनी की प्रॉपर केयर आप कैसे कर सकते हैं?

किडनी की करें प्रॉपर केयर

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई अंग बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन अंगों में से एक किडनी भी है। राजमा के आकार का शरीर का छोटा-सा अंग किडनी, क्लीनिंग मैकेनिज्म का महत्वपूर्ण काम करती है और शरीर में टॉक्सिंस, इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बनाए रखती है।

किडनी के कार्य: किडनी में नेफ्रॉन नामक सूक्ष्म वाहिकाओं वाले फिल्टर यूनिट (करीब 10 लाख) होते हैं, जो ग्लोमेरूलर फिल्ट्रेशन प्रक्रिया के माध्यम से शरीर में तकरीबन 140 लीटर खून साफ करते हैं। ग्लूकोज, अमीनो एसिड, प्रोटीन और इलेक्ट्रोलाइट्स (सोडियम, पोटेशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम) जैसे एसेंशियल तत्व फिल्टर किए रक्त के माध्यम से पूरे शरीर में वापस चले जाते हैं। जबकि यूरिक एसिड, क्रिएटिनिन जैसे टॉक्सिक पदार्थ, अतिरिक्त पानी ब्लैडर में जमा होते जाते हैं और यूरिन के जरिए शरीर से बाहर निकल जाते हैं। साथ ही किडनी एरिथ्रोपोइटिन हार्मोन (रेड ब्लड सेल्स बनाने में सहायक), रेनिन हार्मोन (सोडियम लेवल को सामान्य बनाने और ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने) का स्राव करती है। हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती के लिए जरूरी एक्टिव विटामिन-डी के निर्माण में भी सहायक है।

ऐसे होती है समस्या: कई कारणों से किडनी के फिल्टर्स को नुकसान पहुंचता है, जिसकी वजह से किडनी ठीक तरह से काम नहीं कर पाती। ध्यान न देने पर किडनी के टिश्यू धीरे-धीरे खराब होने लगते हैं और कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। अनदेखी करने या समुचित उपचार न कराने पर किडनी खराब होने लगती है। व्यक्ति एक्यूट किडनी फैल्योर, क्रॉनिक किडनी फेल्योर, नेफ्रोटिक सिंड्रोम जैसी किडनी की बीमारियों का शिकार हो जाता है। व्यक्ति को असमय मौत का सामना भी करना पड़ सकता है। जबकि प्रारंभिक स्तर पर ही इलाज शुरू कर दिया जाए तो काफी हद तक इसे डैमेज होने से बचाया जा सकता है।

किडनी प्रॉब्लम्स के कारण: कई गलत आदतें और बीमारियां किडनी खराब होने का कारण बनती हैं। जैसे-हेल्दी लाइफस्टाइल न होना। हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, पॉलिसिस्टिक किडनी डिजीज, किडनी डिस्प्लेसिया, यूटीआई इंफेक्शन जैसी गंभीर बीमारी होना। घर का बना पौष्टिक और संतुलित आहार के बजाय जंक या प्रोसेस्ड फूड का सेवन अधिक करना। आहार में नमक और चीनी की मात्रा अधिक होना। खाने में ऊपर से नमक डालकर खाना। पानी या अन्य तरल पदार्थ जरूरत से कम मात्रा में लेने से डिटॉक्सिफाई न हो पाना। कई तरह के नेचुरल या आर्टिफिशियल हेल्थ प्रोडक्ट्स, हेल्थ टॉनिक या प्रोटीन सप्लीमेंट्स के गैर-जरूरी सेवन से किडनी में इंटरस्टीशियल नैफ्राइटिस एलर्जी होना। पेनकिलर, एंटी बायोटिक या अपने मन से दवाओं का ज्यादा सेवन करना। आनुवांशिक किडनी बीमारियां होना जैसे- ऑटोसोमल डॉमिनेंट पॉलीसिस्टिक किडनी डिजीज, हाइपरॉक्सालुरिया, किडनी डिस्प्लेसियाएनेफ्रोनोफ्थिसिस डिसऑर्डर। इंटरस्टीशियल नैफ्राइटिस एलर्जी, यूटीआई एपाइलोनेफ्राइटिस जैसे किडनी इंफेक्शन होना। लंबे समय तक यूरिन रोके रहना। नियमित रूप से व्यायाम न करना। एल्होहल का सेवन करना।

किडनी रोगों के लक्षण: किडनी की बीमारी को साइलेंट किलर कहा जाता है। कुछ लक्षण किडनी में गड़बड़ी होने की ओर इशारा करते हैं, जिनसे व्यक्ति को सचेत हो जाना चाहिए और यथाशीघ्र डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए। जैसे-शरीर के

विभिन्न हिस्सों में सूजन आना। खासकर सुबह उठने पर आंखों के आस-पास सूजन होना और शाम होते-होते पैर और टखनों में सूजन आना। बार-बार यूरिन पास करने की इच्छा होना या यूरिन रुक-रुक कर आना। सामान्य से अधिक या कम यूरिन आना, दिन के बजाय रात को यूरिन ज्यादा आना। यूरिन में एलब्यूमिन-एरिथ्रोपोएटिन नामक प्रोटीन का रिसाव होना, यूरिन का पीला या भूरे रंग का होना, झाग आना या बदबू आना, यूरिन करते हुए जलन होना। कमजोरी और थकान महसूस करना। भूख कम लगना, पेट में जलन और दर्द रहना, घबराहट रहना जैसी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं होना। मांसपेशियों में खिंचाव होना।

न करें इग्नोर: स्वस्थ शरीर के लिए हेल्दी किडनी जरूरी है। किडनी संबंधी समस्या होने पर व्यक्ति को बिना देर किए नेफ्रोलॉजिस्ट डॉक्टर को दिखाना चाहिए। अर्ली स्टेज में बीमारी पकड़ में आने पर आगे का ट्रीटमेंट प्लान हो सकता है।

डायग्नोसिस: किडनी की फिल्टर क्षमता को जांचने के लिए ग्लोमेरूलर फिल्टरेशन रेट (जीआरएफ) टेस्ट, ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, अल्ट्रासाउंड, बायोप्सी जैसे टेस्ट कराए जाते हैं।

ट्रीटमेंट का तरीका: मरीज और रोग की स्थिति के हिसाब से उपचार किया जाता है। डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर को पहले कंट्रोल किया जाता है। एक्यूट किडनी फेल्योर के मरीज का उपचार अगर सही समय पर शुरू कर दिया जाता है, तो मेडिसिन से उसे ठीक किया जा सकता है। किडनी ज्यादा खराब होने पर डायलिसिस का सहारा लिया जाता है, जिसमें किडनी का ब्लड फिल्टर करने का काम मशीन अस्थाई तौर पर करती है। स्थिति गंभीर हो जाने पर किडनी ट्रांसप्लांट आखिरी उपाय है, जिसके लिए किडनी डोनेशन की जरूरत रहती है।

ऐसे करें किडनी केयर: इन बातों को फॉलो करके आप अपनी किडनी की प्रॉपर केयर कर सकते हैं।

- अगर आपकी किडनी डिजीज की फैमिली हिस्ट्री है, तो रेगुलर मेडिकल चेकअप कराएं। 45 साल से ज्यादा उम्र के लोग साल में एक बार होल बॉडी चेकअप कराएं। किडनी जांच के लिए केएफटी जरूर करवाएं।
- डायबिटीज, ब्लड प्रेशर होने का पता चले तो आप अपना यूरिन टेस्ट और किडनी फंक्शन टेस्ट जरूर कराएं। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए डायबिटीज को कंट्रोल में रखें।
- वेट कंट्रोल रखें। हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं।
- न्यूट्रीशन से भरपूर बैलेंस डाइट लें। कार्बोहाइड्रेट सीमित मात्रा में लें। यथासंभव रिफाइंड सफेद चीजों (चीनी, नमक, मैदा, चावल) के सेवन से बचें। इनके बजाय मल्टीग्रेन आटा, ब्रेड को आहार में शामिल करें।
- पालक, साग, टमाटर जैसी चीजों से परहेज रखें। लौकी, तोरई, परवल, टिंडा और फूलगोभी, किडनी के लिए फायदेमंद हैं। इन में पानी ज्यादा और पोटेशियम कम होता है।
- फ्रूट्स का इनटेक अच्छा रखें। सेब, पपीता और अमरूद फायदेमंद हैं।
- रोजाना 3-4 ग्राम से ज्यादा नमक न खाएं। खासकर खाने में ऊपर से डाला गया सॉल्ट पूरी तरह अवॉइड करें। अचार, पापड़, नमकीन और डिब्बा बंद बिस्कुट से दूरी बनाकर चलें।
- जंक या फास्ट फूड का सेवन न करें।
- हाइड्रेशन स्टेटस मेंटेन रखें। मौसम, शरीर और काम के हिसाब से पानी पिएं। कम पानी पीने से शरीर के विषाक्त पदार्थ शरीर में इकट्ठे होने लगते हैं। लेकिन ज्यादा पानी पीना भी किडनी के लिए नुकसानदायक है।
- डेली कम से कम 6 घंटे की नींद जरूर लें। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

इसलिए मनाते हैं वर्ल्ड किडनी डे

किडनी की समस्या आज उम्रदराज लोगों में ही नहीं, युवाओं और बच्चों में भी देखी जा रही है। 10 में से 1 व्यक्ति किडनी डिजीज का शिकार हो रहा है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के हिसाब से दुनिया भर में करीब 85 करोड़ लोग किडनी डिजीज से जूझ रहे हैं। हार्ट डिजीज, स्ट्रोक और श्वसन रोगों के विपरीत किडनी डिजीज से होने वाली मृत्यु दर निरंतर बढ़ रही है। हर साल क्रॉनिक किडनी डिजीज से तकरीबन 24 लाख लोगों की मौत भी हो जाती है। अनुमान है कि 2040 तक नॉन-कम्यूनिकेबल डिजीज से होने वाली मौतों का पांचवां सबसे बड़ा कारण किडनी डिजीज होगा। किडनी डिजीज के प्रति लोगों में जागरुकता लाने के लिए हर साल मार्च के दूसरे गुरुवार को वर्ल्ड किडनी डे मनाया जाता है। इस साल की थीम है- सभी के लिए किडनी स्वास्थ्य: लोगों की देखभाल, धरती की सुरक्षा।

प्रिकॉशन

डॉ. माजिद अलीम

हमारे जीवन में सोशल मीडिया और एआई का दखल बढ़ता जा रहा है। लेकिन अपने हेल्थ इश्यूज के बारे में इन पर ब्लाइंड फेथ करना बहुत हार्मफुल हो सकता है। इस बारे में आपको बहुत सावधान रहने की जरूरत है।

हेल्थ के लिए हार्मफुल हो सकते हैं डॉक्टर एआई

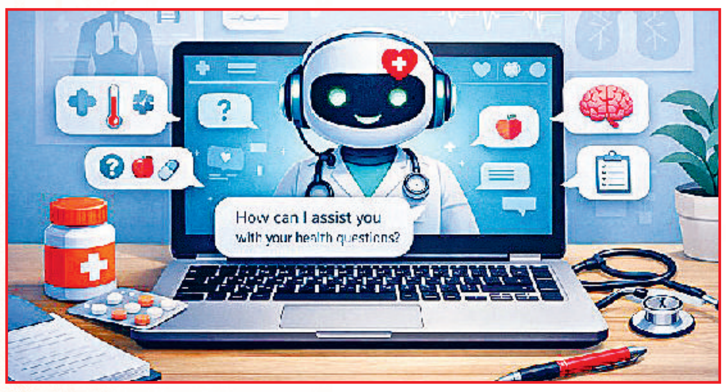

आज के समय में विभिन्न आयुवर्ग के बहुत से लोग अपने या अपने परिवार के सदस्यों की बिगड़ती सेहत या किसी बीमारी के लक्षण दिखने पर डॉक्टर की सलाह लेने की बजाय, पहले कदम के रूप में एआई का ही सहारा लेते हैं। विभिन्न सर्वेक्षण भी इस बात का खुलासा करते हैं कि 2023 की तुलना में 2024 में एआई सिस्टम चेकर की खोज में 134.3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है यानी, अब अधिक लोग अपने स्वास्थ्य की जांच के लिए एआई का सहारा ले रहे हैं।

इसलिए बढ़ रहा ट्रेंड: आजकल अधिकतर लोग डॉक्टर के पास जाने की बजाय चिकित्सा सुविधा के लिए एआई टूल का इस्तेमाल इसलिए करते हैं, क्योंकि यह समय और पैसा बचाने वाला तथा ज्यादा सुविधाजनक माध्यम लगता है। छोटी-मोटी स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर एआई के माध्यम से उन्हें अपनी बीमारी को समझने में काफी मदद मिलती है। इतना ही नहीं कुछ लोग तो लक्षण बताकर अपनी बीमारी की गंभीरता की जांच भी एआई के माध्यम से करते हैं। वह डॉक्टर के पास जाने की जरूरत भी नहीं समझते। दरअसल, कोविड महामारी के बाद से हमारे जीवन में टेलीमेडिसिन का चलन काफी तेजी से बढ़ गया है। यही वजह है कि अब सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और टेलिग्राम पर कई लोग एक्टिव हो गए हैं, जो खुद को एक्सपर्ट होने का दावा करके सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं और हेल्थ संबंधी सलाह देते रहते हैं। हकीकत यह है कि किसी विशेष मेडिकल स्थिति के लिए सही डॉक्टर से कंसल्ट करने से लेकर जटिल शब्दों को सरल बनाने तक एआई उपकरण मेडिकल टर्म्स को लोगों को बेहतर ढंग से समझाने में मदद कर रहे हैं। लोग अपनी मेडिकल रिपोर्ट्स को समझने के लिए भी चैटजीपीटी का सहारा ले रहे हैं। समय बचाने के लिए डॉक्टर से न मिलना पड़े इसलिए भी एआई उपकरणों का उपयोग करके लोग अपनी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हल कर रहे हैं।

निर्भरता हो सकता है रिस्की: हर स्वास्थ्य समस्या पर सोशल मीडिया या एआई टूल का उपयोग करना रिस्की हो सकता है। साल 2023 में प्रकाशित एक स्टडी में यह दावा किया गया कि टेलीमेडिसिन पर दी गई हेल्थ कंसल्टेंसी 30 प्रतिशत मामलों में अधूरी या गलत होती है। आमतौर पर एआई से हम अपनी बीमारी के सामान्य लक्षण के आधार पर उनसे सलाह लेते हैं। किसी मरीज की पर्सनल मेडिकल हिस्ट्री या गंभीर बीमारी को एआई भला कैसे समझ सकता है। इसलिए इन पर निर्भर होना गंभीर हेल्थ प्रॉब्लम बढ़ा सकता है। हकीकत यह भी है कि कई लोग अपने लक्षणों को गलत समझ लेते हैं, उसी गलत समझ के आधार पर वह गलत निष्कर्ष पर पहुंचकर खुद से ही दवा ले लेते हैं। मुंबई में कार्यरत पैथोलॉजिस्ट डॉ. राजेश बेंद्रे का कहना है, 'अधिकांश एआई उपकरण पश्चिमी आबादी के डेटा का उपयोग करके बनाए गए हैं, जो भारतीय संदर्भ का सही प्रतिनिधित्व नहीं करते और इससे उनकी सटीकता भी सीमित हो जाती है।' कई मरीज चैटजीपीटी, गूगल बार्ड या अन्य हेल्थ एप का उपयोग करके अपने लक्षणों की जानकारी ढूंढ़ते हैं और अकसर ही बिना सोचे, समझे गलत निष्कर्ष पर पहुंच जाते हैं। ये धारणाएं अनावश्यक चिंता का कारण बन जाती हैं।

डॉक्टर से कंसल्टेशन है जरूरी: एआई के विशेषज्ञों के अनुसार किसी भी एआई उपकरण के साथ डॉक्टर की सलाह के बिना उस सलाह पर भरोसा करना जोखिम भरा हो सकता है। खांसी, जुकाम, बुखार जैसी छोटी बीमारियों के अलावा यह गंभीर बीमारियों पर भी लागू होता है। इस बारे में एआई विशेषज्ञ जसप्रीत बिंद्रा का कहना है, 'डॉक्टर की निगरानी हमेशा इस प्रक्रिया का हिस्सा होनी चाहिए।' एआई हमें अधिक जानने, बेहतर शोध करने और यहां तक कि नई चीजों की खोज करने में मदद कर सकता है। लेकिन डॉक्टरी सलाह अभी भी बहुत महत्वपूर्ण है। जसप्रीत बिंद्रा के अनुसार, 'मानव चिकित्सक रोगी का समग्र रूप से इलाज करते हैं न कि बाहरी लक्षणों के आधार पर। वे तनाव, जीवनशैली या छुपे हुए लक्षणों पर भी विचार करते हैं, जिन्हें एआई अनदेखा कर सकता है। इसलिए मेडिकल कंसल्टेंसी के लिए एआई का उपयोग करते समय डॉक्टर की सलाह लेना भी जरूरी है।'

बरतें सावधानी: सोशल मीडिया पर किसी बीमारी के ये लक्षण या किसी अन्य बीमारी के ये लक्षण हैं। इस बीमारी में ये परहेज बरतें, इस बीमारी ये खाएं, इस बीमारी में ये न खाएं, इस तरह की फर्जी सलाह आपकी हेल्थ को भारी नुकसान पहुंचा सकती है। इससे बचने में ही समझदारी है। एक ही बीमारी के लिए व्यक्ति के लक्षण, उसकी शारीरिक और मानसिक स्थिति के अनुसार अलग-अलग तरह की दवाई दी जाती है। जब आप किसी डॉक्टर को दिखाते हैं तो वह आपकी पूरी शारीरिक जांच करने के बाद आपकी बॉडी, वजन, हाइट और स्वास्थ्य के आधार पर आपके अनुकूल दवाई लिखते है। ऐसे में केवल एआई या सोशल मीडिया पर पूरी तरह भरोसा करना हार्मफुल हो सकता है। इसी तरह सोशल मीडिया पर जो डॉक्टर कैमरे के सामने लोगों को फ्री कंसल्टेंसी देते हैं, उनकी भी सलाह तभी माननी चाहिए जब आप उनसे पर्सनल कॉन्टेक्ट कर, मिलकर उनसे सलाह लें। सोशल मीडिया पर मेडिकल हेल्थ कंसल्टेंसी देने वाले व्यक्ति की योग्यता और उसकी प्रमाणिकता की भी जांच जरूरी है। हेल्थ संबंधी समस्या छोटी हो या बड़ी, डॉक्टर से पर्सनली मिलकर ही सलाह लें। अगर किसी से पर्सनली न मिल पाएं तो किसी प्रमाणित टेलीमेडिसिन का प्रयोग करें। गलत दवा से गंभीर नुकसान भी हो सकता है। आजकल लोग फर्जी एकाउंट बनाकर भी लाइक्स और फॉलोवर्स के लिए लोगों को आधी-अधूरी मेडिकल सलाह दे रहे हैं। इसलिए उन पर भरोसा न करें। खुद भी सतर्क रहें और अपने घर परिवार के लोगों को भी एआई की हेल्थ सलाह के प्रति सजग और सचेत रखें। *

सजेशन

दिव्यज्योति 'नंदन'

इन दिनों मेट्रो शहरों से लेकर गांव-कस्बों में भी ऑनलाइन योगा क्लासेज का ट्रेंड बढ़ रहा है। ऐसी क्लासेज के कुछ पॉजिटिव तो कुछ नेगेटिव पहलू भी हैं। ऐसे में ऑनलाइन योगा क्लासेज में शामिल होते समय कुछ बातों का ध्यान रखें।

तभी फायदेमंद होगी ऑनलाइन योगा क्लासेज

कोविड काल के बाद भारत में जिस तरह हर क्षेत्र में ऑनलाइन मोड का ट्रेंड बढ़ा है, उससे योगा भी अछूता नहीं रहा। पहले आश्रमों में या स्थानीय योगा क्लासेज में जाकर ही लोग योग सीखने का प्रशिक्षण लिया करते थे। लेकिन अब बड़े पैमाने पर महानगरों से लेकर छोटे कस्बों और गांवों तक लोग अपने मोबाइल, लैपटॉप या स्मार्ट टीवी के जरिए अपने घर पर ही योगा क्लासेज करते हैं। सवाल है क्या ऑनलाइन योगा क्लासेज इतनी प्रभावी होती हैं, जितनी ऑफलाइन यानी प्रशिक्षक के आमने-सामने की क्लासेज होती हैं? इसका उत्तर कई कारकों पर निर्भर करता है। मसलन, योग का स्तर, अभ्यास का उद्देश्य, प्रशिक्षण की गुणवत्ता और स्वयं सीखने वाले की गंभीरता।

ऑफलाइन योगा क्लासेज के फायदे: जहां तक ऑफलाइन योगा क्लासेज के प्रभाव की बात है तो यह सीधे प्रशिक्षक के सामने उनकी निगरानी या देखरेख में संपूर्ण होती है। ऐसे में अगर योगा सीखने वाले प्रशिक्षार्थी श्वास और शरीर की मुद्राएं गलत बनाते हैं, तो उन्हें प्रशिक्षक न सिर्फ स्वयं आकर सही कराते हैं बल्कि सही तकनीक भी सिखाते हैं। इससे खुद से फायदा यह होता है कि अकेले में गलत तरीके से आसन करने से जो चोट लगने या दूसरे नुकसान होते हैं, उनसे हम बच जाते हैं। एक बात यह भी है कि जब योगा समूह में और अनुशासन के साथ किया जाता है, तो उसमें एक नियमितता विकसित होती है। विशेष रोग यानी पीठ दर्द, स्ट्रोक, रिकवरी, सर्वाइकल और घुटनों की समस्या में ऑफलाइन योग कहीं ज्यादा सुरक्षित और प्रभावी माना जाता है। जबकि समय और स्थान की बाध्यता के कारण ऑफलाइन योग कई बार हमारी पहुंच से दूर होता है। ऑनलाइन योगा क्लासेज करने से यात्रा का समय और खर्च बचता है, जबकि ऑफलाइन योगा करने से यह अच्छा खासा खर्च बन जाता है। कई बार ऑफलाइन योगा क्लासेज इसलिए प्रभावशाली नहीं होती क्योंकि छोटी-सी जगह में बहुत बड़ी संख्या में सीखने वाले लोग होते हैं, इसलिए सबको सीखने की व्यक्तिगत सुविधा नहीं मिल पाती।

ऑनलाइन योगा के फायदे: ऑनलाइन योगा क्लासेज, सामान्य फिटनेस, लचीलापन, सांस नियंत्रण और तनाव कम करने तथा दिनचर्या बनाए रखने के लिए काफी प्रभावी होती है। जिन्हें पहले से योग का अनुभव है, ऐसे लोग ध्यान, प्राणायाम जैसे सरल आसनों को आसानी से ऑनलाइन निर्देशों के साथ कर सकते हैं। लेकिन यह भी सच है कि ऑनलाइन योग अपने आप कारगर नहीं होता, उसे कारगर बनाने के लिए मेहनत करनी होती है। ऑनलाइन योगा क्लासेज की कमी यह है कि स्क्रीन के जरिए प्रशिक्षक हर व्यक्ति की बारीक गलतियों को नहीं देख सकता, खासकर कमर, गर्दन और घुटनों से जुड़ें आसनों में। ऑनलाइन क्लासेज, कई बार चोट लगने का कारण बनती हैं। क्योंकि देखकर किसी अभ्यास को सही तरीके से कर लेना सबके बस में नहीं होता है। इसके अलावा घर के माहौल में फोन, परिवार और काम हमेशा आपके योग करने में बाधा डालते हैं। इसलिए ऑनलाइन योग करने वाले ऑफलाइन से ज्यादा छुट्टियां करते हैं, इससे ये कम प्रभावी होता है। इसका नुकसान ये है कि किसी को ऑनलाइन योगा करते देख तमाम लोग उसी के अनुरूप करने लगते हैं। इससे कई बार फायदे की जगह नुकसान होता है।

रखें ध्यान: सवाल है फिर ऐसा क्या करें कि ऑनलाइन योग भी ऑफलाइन योगा की तरह प्रभावी बन सके? इसके लिए सबसे जरूरी है कि योग्य, योग प्रशिक्षक चुनें। सिर्फ फॉलोवर्स को या उसकी लोकप्रियता को देखकर उसे अपना प्रशिक्षक न बनाएं। प्रशिक्षक की योग शिक्षा, उसके अनुभव और शारीरिक एनाटोमी की समझ भी देखें। ऑनलाइन योगा और भी शानदार और लाइव इंट्रेक्टिव बन सके, इसलिए रिकॉर्डिंग वीडियो से बेहतर है लाइव योगा शिक्षण में शामिल हों। अगर आप हाई ब्लड प्रेशर के रोगी हैं, स्ट्रोक प्रॉब्लम है, हृदय रोग से पीड़ित हैं, स्लिपडिस्क या सर्वाइकल से परेशान हैं, तो डॉक्टर की सलाह और अनुभवी योग प्रशिक्षक की निगरानी में ही योगा करें। *

खबर संक्षेप

वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए 13 को होंगे ट्रायल

सिरसा। अखिल भारतीय सिविल सेवा वॉलीबॉल पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों के चयन के लिए आगामी 13 मार्च को द्रोणाचार्य स्टेडियम, कुरुक्षेत्र में ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए इच्छुक अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्धारित तिथि और स्थान पर उपस्थित होना होगा। जिला खेल अधिकारी जगदीप ने बताया कि ट्रायल में भाग लेने वाले सभी अधिकारी व कर्मचारी सुबह 10 बजे तक निर्धारित स्थल पर पहुंचना सुनिश्चित करें। चयन स्पर्धा के लिए जो कर्मचारी/अधिकारी जाएंगे, उन्हें टीए व डीए उनके संबंधित विभाग द्वारा दिया जाएगा।

अनाधिकृत स्थानों पर कचरा फेंकने पर लगेगा जुर्माना

सिरसा। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के आदेशानुसार तथा हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशों के अनुसार राज्य में किसी भी सार्वजनिक अथवा अनाधिकृत स्थान पर ठोस अपशिष्ट पदार्थ फेंकना या डालना पूरी तरह प्रतिबंधित है। आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में जुर्माना लगाया जाएगा। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी ईश्वर प्रकाश रावत ने बताया कि पहली बार गैर-बल्क अपशिष्ट को अनाधिकृत स्थान पर फेंकने पर 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा, जबकि दूसरी या उससे अधिक बार उल्लंघन करने पर 10 हजार रुपए का जुर्माना देना होगा।

समाज के लिए प्रेरणास्रोत होते हैं स्वयंसेवकः सुनील

सिरसा। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत होते हैं। वे न केवल शिक्षा प्राप्त करते हैं बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझते हैं। एनएसएस युवाओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, सामाजिक समर्पण और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करता है, जो विकसित भारत के निर्माण की आधारशिला है। यह बात चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार ने राष्ट्रीय एकता शिविर के छठे दिन स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य तभी साकार हो सकता है जब देश का युवा वर्ग राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाए।

अतिरिक्त अनाज मंडी का किया दौरा

सिरसा। नई बन रही अतिरिक्त अनाज मंडी का बुधवार को आढ़ती एसोसिएशन और मार्केट कमेटी अधिकारियों ने संयुक्त दौरा किया। निरीक्षण के दौरान मंडी की मौजूदा व्यवस्थाओं और आने वाले गेहूं व सरसों सीजन को लेकर संभावित समस्याओं पर चर्चा की गई। दौरे के दौरान मार्केट कमेटी के डीएमईओ राहुल कुंडू, सचिव वीरेंद्र मेहता और सह सचिव रामचन्द्र के साथ मंडी प्रधान प्रेम बजाज, उपप्रधान राजू सुधा, महासचिव राजेंद्र नढा, कोषाध्यक्ष कृष्ण गोयल, धर्मपाल जिंदल, रमेश कम्बोज (गोरा) और कश्मीर कम्बोज समेत कई आढ़ती मौजूद रहे। सभी ने मौके पर जाकर मंडी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि अतिरिक्त मंडी में अभी कई मूलभूत सुविधाओं की कमी है।

नपा सहित अनेक स्थानों का किया निरीक्षण

रतिया। एसडीएम सुरेन्द्र सिंह ने बुधवार को रतिया नगरपालिका के अलावा सामुदायिक केंद्र, शहीद दविन्द्र सिंह पार्क, नीलकंठ मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरिक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शहर में विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए और नियमित रूप से शहर व पार्कों में सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन के कार्य तत्परता से करें तथा कार्यालयों में साफ-सफाई की ओर विशेष ध्यान रखें। इस दौरान एसडीएम सुरेन्द्र सिंह ने स्थानीय शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा कर मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं और केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

युवाओं को सेवा और राष्ट्रभक्ति के मार्ग पर लाना बेहद जरूरी

नशे के खिलाफ जंग, शहीदों की याद में 23 मार्च को निकलेगी यात्रा

बाबा ब्रह्मदास ने किया पोस्टर का विमोचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। 'नशे के खिलाफ विशाल यात्रा' के कार्ड व पोस्टर का विमोचन करते बाबा ब्रह्मदास जी व ट्रस्ट की टीम।

नशे में जकड़ी युवा पीढ़ी को नशामुक्त कर समाज की मुख्य धारा में जोड़ने को लेकर प्रयासरत महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 23 मार्च सोमवार को शहीदी दिवस के अवसर पर एक 'नशे के खिलाफ विशाल यात्रा' का आयोजन किया जाएगा । इस कार्यक्रम को लेकर ट्रस्ट की टीम संस्थापक भवानी सिंह के नेतृत्व में डेरा बाबा भूमण शाह, संगर साधा के गद्दीनशीन बाबा ब्रह्मदास से मिली। इस अवसर पर बाबा ब्रह्मदास द्वारा यात्रा के निमंत्रण कार्ड व पोस्टर का विधिवत विमोचन किया गया। बाबा ब्रह्मदास ने महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि नशा आज समाज को दीमक की तरह खा रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस नशा तस्कर रूपी दानव से समाज को बचाने के लिए इस कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भाग लें। बाबा ब्रह्मदास ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी हमारे देश का भविष्य है, लेकिन नशा इस भविष्य को अंधकार में धकेल रहा है. नशा न केवल एक व्यक्ति को शारीरिक रूप से खत्म करता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज की नींव हिला देता है। नशा तस्कर रूपी दानव हमारे बच्चों की ऊर्जा और प्रतिभा को लील रहे हैं, इसलिए, समय की मांग है कि हम सब एकजुट होकर युवाओं को अध्यात्म, सेवा और राष्ट्रभक्ति के मार्ग पर लाएं। ठाकुर भवानी सिंह ने बताया कि 23 मार्च को यह विशाल यात्रा प्रातः 10 बजे स्थानीय अनाज मंडी से शुरू होकर शहीद स्मारक, फतेहाबाद तक निकाली जाएगी। इससे पूर्व अनाज मण्डी शैड के नीचे आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक और देशभक्ति पूर्ण प्रस्तुतियों से युवाओं को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों बारे जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बाबा ब्रह्मदास के साथ अनेक संत-महात्मा मौजूद रहेंगे। इसके अलावा विशेष तौर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अनुराग ठाकुर, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार तरुण भंडारी और ब्रांड एम्बेसडर नशामुक्त हरियाणा सियाज पूनिया शिरकत करेंगे।

विशाल यात्रा में जिले की 25 से अधिक संस्थाएं करेंगी सहयोग

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा करेंगे । विशिष्ट अतिथियों में उपायुक्त विवेक भारती, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ जैन और सहायक पुलिस अधीक्षक दिव्यांशी सिंगला सहित कई प्रशासनिक अधिकारी और समाजसेवी उपस्थित रहेंगे। इस पुनीत कार्य में जिले की 25 से अधिक संस्थाएं सहयोग कर रही हैं। इस अवसर पर सरपंच मोहन गढ़वाल अकांवाली, राकेश कम्बोज सरपंच नूरकी, अमनदीप कम्बोज सरपंच प्रतिनिधि हरिपुरा, जोगिन्द्र सरपंच कुकड़ांवाली, मनोज सरपंच बीघड़, सुरेश कम्बोज सरपंच प्रतिनिधि दरियापुर, विकास कम्बोज सरपंच बरसीन, अशोक अलीका, अनिल गढ़वाल सरपंच प्रतिनिधि भोडियाखेड़ा, अनिल सरपंच कारियां, कृष्ण पारचा, विक्रम, गुरदीप अयाल्की सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

ब्लॉक समिति के नवनियुक्त चेयरमैन विकास भानीखेड़ा का कार्यालय में स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। रतिया ब्लाक समिति चेयरमैन का स्वागत करते भाजपा नेता।

रतिया ब्लॉक समिति के चेयरमैन बनने पर विकास भानीखेड़ा बुधवार को अपने समर्थकों के साथ फतेहाबाद के भूना रोड स्थित भाजपा जिला कार्यालय में पहुंचे। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा व कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। बीजेपी जिलाध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में रतिया क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। नवनियुक्त चेयरमैन विकास भानीखेड़ा ने भाजपा जिलाध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के सहयोग से ही उन्हें यह जिम्मेदारी मिली है। वे इस दायित्व को पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ निभाएंगे। चेयरमैन विकास भानीखेड़ा ने कहा कि रतिया पंचायत समिति के अंतर्गत आने वाले विभिन्न गांवों के विकास के रास्ते खोले जाएंगे। क्षेत्र के विकास में जो बाधाएं आ रही थीं, उन्हें दूर कर गांवों के विकास के लिए नई योजनाओं पर काम किया जाएगा। विकास भानीखेड़ा ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य पंचायत समिति के अंतर्गत आने वाले गांवों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना और विकास कार्यों को गति देना है, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। बता दें कि बीते दिनों पंचायत समिति रतिया के अधिकांश सदस्यों ने कांग्रेसी चेयरमैन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर उन्हें पद से हटाने का काम किया था।

भाजपा ने नियुक्त किए संयोजक व सह संयोजक

फतेहाबाद। आमजन में एसआईआर के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से आगामी कार्यक्रमों को लेकर भाजपा हाई कमान के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने विभिन्न नियुक्तियां की है। इसके तहत पूर्व जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा को संयोजक नियुक्त किया गया है। उनके अलावा जिला महामंत्री अशोक जाखड़, जिला परिषद के चेयरमैन प्रतिनिधि एडवोकेट सुभाष खिचड़, सुभाष साहू व जिला ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष बलदेव सैनी को सह संयोजक नियुक्त किया है।

अमेरिका-इजराइल का ईरान पर हमला निंदनीयः प्रलेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

अखिल भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ (प्रलेस) हरियाणा राज्य इकाई ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के बुनियादी सिद्धांतों का गंभीर उल्लंघन करते हुए अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर सैन्य हमलों की कड़ी निंदा की है और इस हमले के दौरान मारे गए मासूम बच्चों और निर्दोष नागरिकों के मारे जाने पर रोष व्यक्त किया है। अमेरिका द्वारा सैन्य शक्ति के बल पर ईरान में सत्ता परिवर्तन ऐसी खतरनाक रणनीति है जो अन्य मुल्कों की आज़ादी और लोगों के अपना राजनीतिक भविष्य तय करने के संप्रभुता के अधिकार की पूरी तरह से अनदेखी करती है। प्रलेस राष्ट्रीय अध्यक्षमंडल के सदस्य कामरेड स्वर्ण सिंह विर्क व प्रलेस राष्ट्रीय सचिव मंडल सदस्य एवं हरियाणा राज्य इकाई के महासचिव डॉ. हरविंद्र सिंह सिरसा ने कहा है कि इस तरह के सैन्य हमले से पूरे पश्चिम एशियाई इलाके में विनाश और अस्थिरता की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

अपराधियों का महिमामंडन करने वालों पर कार्रवाई

9 और फॉलोअर्स को किया तलब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। युवाओं को समझाते पुलिस अधिकारी।

जिला पुलिस सोशल मीडिया पर अपराधियों का महिमामंडन करने वालों और उनके फॉलोअर्स पर लगातार शिकंजा कस रही है। इसी अभियान के तहत सीआईए फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक वेदपाल के नेतृत्व में एक और कार्रवाई की गई है। जिला पुलिस की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल ने फेसबुक पर 'यश भुक्कल 2025' नाम की एक आईडी को चिन्हित किया था, जो संदिग्ध और अपराध को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों में संलिप्त पाई गई। जांच के दौरान इस आईडी को फॉलो करने वाले 9 युवाओं की पहचान की गई, जो गांव भूना और आसपास के क्षेत्र से संबंधित हैं। सीआईए फतेहाबाद ने इन सभी 9 व्यक्तियों को कार्यालय में तलब किया। सभी फॉलोअर्स को सोशल मीडिया पर अपराधियों को बढ़ावा देने के कानूनी और सामाजिक परिणामों के बारे में विस्तार से समझाया गया। इन युवाओं ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए मौके पर ही उक्त विवादित फेसबुक आईडी को अनफॉलो कर ब्लॉक कर दिया। पुलिस द्वारा इन सभी व्यक्तियों के बयान दर्ज किए गए और उनकी सोशल मीडिया आईडी का रिकॉर्ड भविष्य की निगरानी के लिए हासिल किया गया।

माकपा ने केंद्र की नीतियों के खिलाफ भरी हुंकार

खेती और पशुधन को बर्बाद कर देगी अमेरिका से हुई ट्रेड डील : इन्द्रजीत सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भट्टूकलां

भट्टूकलां। ग्रामीण सभाओं को संबोधित करते माकपा नेता।

आगामी 24 मार्च को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली विशाल जन-रैली की तैयारियों को लेकर माकपा राज्य स्तरीय जत्था जनसंपर्क अभियान में जुटा है। जिला सिरसा से शुरू हुआ यह जत्था राज्य सचिव प्रेम चंद, कामरेड इन्द्रजीत सिंह और रामकुमार बहबलपुरिया के नेतृत्व में फतेहाबाद जिले के विभिन्न गांवों से होता हुआ भट्टूकलां और भूथनकलां पहुंचा। जत्थे का जाण्डवाला बांगड़ और ढाबी कलां में ग्रामीणों ने स्वागत किया गया, जहां आयोजित सभाओं में भारी संख्या में ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इन सभाओं का संचालन विष्णु दत्त शर्मा ने किया। ग्रामीण सभाओं को संबोधित करते हुए माकपा नेता प्रेम चंद, इन्द्रजीत सिंह और एसएफआई के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष सुभाष चन्द्र जाखड़ ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार संविधान प्रदत्त अधिकारों को कुचलकर तानाशाही रवैया अपना रही है। 4 नए लेबर कोड मजदूरों के शोषण का औजार हैं, जिससे केवल कॉर्पोरेट घरानों का मुनाफा बढ़ेगा। माकपा नेताओं ने कहा कि मनरेगा कानून को कमजोर करने की कोशिशों से करोड़ों बेरोजगार मजदूरों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा।

ये रहे मौजूद

उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौता भारतीय खेती और पशुधन को पूरी तरह बर्बाद कर देगा। सभा के माध्यम से माकपा नेताओं ने मांग की कि कच्चे कर्मचारियों को तुरंत पक्का किया जाए। बेरोजगार युवाओं को रोजगार की गारंटी दी जाए। सरकारी विभागों में खाली पड़े पदों को बिना देरी भरे जाए। जनविरोधी कानूनों और संशोधनों को तुरंत वापस लिया जाए। इस अवसर पर सुभाष चन्द्र भादु, हनुमान सिंह, रोहतास डुडी, जगदीश चंद्र, मनीष कुमार, रिछपाल सिंह, अजय माचरा, हवा सिंह, मन्जू, अंगुरी, सन्तोष, शर्मिला, सन्तोष, सूरजमल जाखड़, भंवर सिंह और किशोरी लाल सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

पुलिस विभाग में 26 सालों से काम कर रहे चतुर्थ श्रेणी के कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

बैठक में भाग लेते रिटायर्ड कर्मचारी।

ऑल रिटायर्ड कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन फतेहाबाद की मासिक बैठक पीडबल्यूडी रेस्ट हाऊस में हुई। बैठक की अध्यक्षता रिटायर्ड पुलिस कर्मचारी एसोसिएशन के प्रधान रणधीर सिंह डबास ने की व संचालन जिला सचिव सुभाष चन्द्र चौहान ने किया। बैठक में विभिन्न विभागों से रिटायर कर्मचारियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। बैठक में ट्रेड यूनियन के आह्वान पर 12 फरवरी को हुई राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने पर रिटायर्ड कर्मचारियों का आभार जताया गया। बैठक में जिन रिटायर्ड कर्मचारियों का हाल में ही निधन हुआ है, उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन धारण किया गया। बैठक में ऑल रिटायर्ड कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन ने भारत सरकार द्वारा अमेरिका के साथ की गई ट्रेड डील पर विरोध जताया और कहा कि इस डील में भारतीय किसानों को हितों को गिरवी रखा गया है जोकि सरासर गलत है। एसोसिएशन ने केन्द्र सरकार से इस डील को तुरंत रद्द करने की मांग की। उन्होंने कहा कि 60, 70, 75 वर्ष आयु उपरांत 5, 10 व 15 प्रतिशत की बेसिक पेंशन में बढ़ोतरी करने, चिकित्सा भत्ता एक हजार से बढ़ाकर 5 हजार रुपये मासिक करने, पुरानी पेंशन प्रणाली बहाल करने, 60 वर्ष की आयु उपरांत पेंशनर्ज के लिए रेल में रियायती दर पर मुफ्त यात्रा सुविधा पुनः लागू करने, 18 महीने का बकाया डीए एरियापुर सहित तुरंत जारी करने, फैमिली पेंशनर्ज को एलटीसी की सुविधा देने की मांग को लेकर उनका संगठन लंबे समय से आंदोलनरत है लेकिन सरकार रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों को लेकर गंभीर नहीं है। ऐसे में रिटायर्ड कर्मचारी आंदोलन को मजबूर है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला राज्य के कर्मचारियों पर भी लागू

उन्होंने मांग की कि पेंशन कम्युटेशन की कटौती 15 साल की बजाय 10 वर्ष 8 महीने की जाए, पुलिस विभाग में पिछले 26 सालों से काम कर रहे चतुर्थ श्रेणी कच्चे कर्मचारियों को तुरंत पक्का किया जाए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले को केन्द्रीय कर्मचारियों के साथ राज्य के कर्मचारियों पर भी लागू किया जाए।

अनुशासन व लक्ष्य निर्धारण से ही मिलती है सफलता : एसपी

एसपी से मिले पेरामाउंट स्कूल के विद्यार्थी पुलिस कार्यप्रणाली को करीब से समझा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। एसपी से मिलने पहुंचे पेरामाउंड स्कूल के विद्यार्थी।

शहर के पेरामाउंट स्कूल के विद्यार्थियों ने आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया तथा अपने अनुभवों के माध्यम से महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। इस दौरान स्कूल की प्रिंसिपल सुनीता जाखड़, मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष कोहली, अंकिता अरोड़ा, नितिका सहित शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की और पुलिस व्यवस्था को करीब से समझा। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए एसपी ने कहा कि आज का युवा ही देश का भविष्य है और यदि विद्यार्थी अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें तो वे निश्चित रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, योग और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेना भी आवश्यक है, जिससे शारीरिक और मानसिक विकास संतुलित रूप से हो सके। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का भी आह्वान किया।

रोवर मशीन से जमीन पैमाइश की सटीकता 100 प्रतिशत पाई जाने पर डीसी संतुष्ट

फतेहाबाद। डीसी डॉ. विवेक भारती ने बुधवार को टोहाना क्षेत्र में रोवर मशीन के माध्यम से की जा रही जमीन की पैमाइश का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान रोवर मशीन से की गई पैमाइश की सटीकता 100 प्रतिशत पाई गई, जिस पर डीसी ने संतुष्टि व्यक्त की। डीसी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि जिन पटवारियों ने रोवर मशीन का प्रशिक्षण प्राप्त किया है, वे इस मशीन के माध्यम से जमीन की निशानदेही करें ताकि पैमाइश की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सटीक बनी रहे। डीसी ने कहा कि राजस्व विभाग के कार्यों में आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए। डीसी ने निर्देश दिए कि डिजिटल क्रॉप सर्वे और गिरदावरी जैसे कार्यों में भी रोवर मशीन का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि कार्य में पारदर्शिता और गति लाई जा सके जिला राजस्व अधिकारी श्यामलाल ने डीसी को अवगत कराया कि उनके द्वारा दिए गए निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित की जाएगी।

इंस्टाग्राम बिजनेस पेज और फेक ब्रांड प्रमोशन स्कैम से रहें सावधान

ऑनलाइन ठगों के निशाने पर छोटे व्यापारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। एसपी सिद्धांत जैन।

इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बढ़ रहे फेक बिजनेस पेज व ब्रांड प्रमोशन स्कैम को लेकर पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने नागरिकों को सतर्क करते हुए एडवाइजरी जारी की है। उनका कहना है कि हाल के दिनों में कई युवा, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और छोटे व्यापारी इन ऑनलाइन ठगों के निशाने पर आए हैं, जो नकली कंपनियों और फर्जी ब्रांड नामों से प्रमोशन ऑफर देकर आर्थिक ठगी कर रहे हैं। एसपी ने बताया कि ठग फेक इंस्टाग्राम, फेसबुक या अन्य प्लेटफार्म पर किसी नामी ब्रांड के नाम से पेज बनाकर लोगों को पेड प्रमोशन, ब्रांड कोलैबोरेशन या सप्लायर पार्टनरशिप के नाम पर लुभाते हैं। ये अकाउंट देखने में असली जैसे लगते हैं, जिन पर ब्रांड लोगो, प्रोफेशनल पोस्ट और हजारों फॉलोअर्स होते हैं। इसके बाद ये ठग लोगों को फर्जी एग्रीमेंट, ऑफर लेटर या लिंक भेजते हैं। जैसे ही यूजर लिंक या फेक ऐप डाउनलोड करता है, ठग उसके बैंक अकाउंट, कार्ड डिटेल या सोशल मीडिया एक्सेस चुरा लेते हैं। कई बार वे रजिस्ट्रेशन फीस, ब्रांड टैक्स या गिफ्ट चार्ज के नाम पर पैसे मंगवाते हैं और फिर संपर्क तोड़ देते हैं। एसपी ने कहा कि हर ऑनलाइन ऑफर की पुष्टि करें। नागरिक किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर मिले प्रमोशन या पार्टनरशिप ऑफर को सत्यापित किए बिना स्वीकार न करें।

ठगी की संभावना होने पर 1930 साइबर हेल्पलाइन पर करें कॉल

उन्होंने बताया कि कोई भी असली कंपनी हमेशा अपने आधिकारिक ईमेल या वेबसाइट से ही संपर्क करती है, न कि अनजान या व्हाट्सएप नंबर से। किसी भी अज्ञात लिंक, क्तक्र कोड या फॉर्म में अपनी बैंक या कार्ड जानकारी साझा न करें। किसी भी लिंक या वेबसाइट पर अपनी व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी न डालें। इंस्टाग्राम पर आए मैसेज को बिना जांचे स्वीकार न करें। पैसे भेजने से पहले हमेशा ब्रांड की आधिकारिक वेबसाइट पर वेरिफिकेशन करें। ठगी की स्थिति में तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें या ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें। अपने बैंक अलर्ट और मोबाइल नोटिफिकेशन ऑन रखें ताकि किसी संदिग्ध ट्रांजैक्शन की जानकारी तुरंत मिल सके।

खबर संक्षेप

रजिस्ट्रियां शुरू करवाने के लिए सौंपा ज्ञापन

सिरसा। सिरसा जिले में खाना काश्त भूमि की रजिस्ट्रियां पुनः शुरू करवाने की मांग को लेकर न्यू प्रोपर्टी डीलर एसोसिएशन ने उपायुक्त को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने आए मनोज मकानी, कमल सिंगला, संदीप आहुजा, राज कुमार बब्बर, नरेंद्र चोपड़ा, राजेश बांगा, सुशील गुंबर, मनीष मेहता, ओम ठकराल, सहमीत सिंह, कविश मेहता, रोहित बतरा ने बताया कि सिरसा जिले में जिन जमीनों के रिकॉर्ड में खाना काश्त के अंतर्गत रकबा दर्ज है, उन जमीनों की रजिस्ट्रियां वर्तमान समय में बंद हैं, जिसके कारण आम जनता एवं भूमि स्वामियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

पीरखाना ट्रस्ट में सालाना दीवान, भंडारा आज

सिरसा। सर्वसांझा पीरखाना ट्रस्ट ओढां की ओर से शुभ सालाना दीवान व भंडारा 12 मार्च को आयोजित किया जाएगा। सेवादार बाबा भगवानदास ने बताया कि 12 मार्च को सांय 7.15 बजे भंडारा व रात्रि 8.15 बजे दीवान सजाया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को लेकर धाम को विद्युत लड़ियों व फूलों से सजाया गया है। श्रद्धालुओं के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि इस धाम की बड़ी मान्यता है और जो भी श्रद्धालु यहां सच्चे मन से आता है, उसकी मुराद अवश्य पूरी होती है। उन्होंने आमजन का आह्वान किया कि वे इस शुभ अवसर पर पहुंचकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करें। इस मौके पर भगवान दास, बंटी गोयल, प्रधान गोविंद नंबरदार, मीता रत्ती, लखी ओढां, मनमोहन गोयल आदि रहे।

13 मार्च को हांसी में हजारों युवा लेंगे भागः वर्मा

सिरसा। जननायक जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा ने कहा कि आगामी 13 मार्च को जिला हांसी में जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला का जन्मदिन पूरे हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। जेजेपी जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा ने जारी बयान में कहा कि इस कार्यक्रम में सिरसा जिले की भागेदारी प्रमुख रूप से रहेगी और इसमें भाग लेने संबंधी सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया जा चुका है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि डॉ. अजय सिंह चौटाला के जीवन से प्रेरणाएं लेकर प्रदेशभर के युवा संकल्प लेंगे कि राजनीति का मूल ध्येय जनसेवा होनी चाहिए जो डॉ. अजय सिंह चौटाला के व्यक्तित्व से ही सीखी जा सकती है।

झूठी साबित हुईं सरकार की घोषणाएंः राजकुमार

सिरसा। प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि राजकुमार शर्मा ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भाजपा सरकार ने वास्तविक विकास के नाम पर कुछ भी ठोस काम नहीं किया, सिर्फ बड़ी-बड़ी घोषणाएं करके लोगों को गुमराह किया है। शर्मा ने जारी बयान में कहा कि भाजपा ने चुनाव के समय कई बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन उनमें से अधिकांश आज भी अधूरे पड़े हैं। सरकार ने बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की समस्याओं और बुनियादी सुविधाओं जैसे मुद्दों पर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया। कहा योजनाएं-परियोजनाएं कागजों में ही सीमित रह गईं। अगर वास्तव में विकास हुआ होता तो युवाओं को र भटकना नहीं पड़ता।

डीसी ने सरकारी स्कूल, पीएचसी कुलां, जाखल थाने का किया दौरा

मिड डे मील की खाद्य सामग्री जांची सुविधा सुचारू रखने के दिए निर्देश

स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद/टोहाना/जाखल

डीसी डॉ. विवेक भारती बुधवार को फील्ड में उतरकर पूरी सजगता के साथ धरातल पर शैक्षणिक व स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। डीसी ने जिला में स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जाखल थाना, कुलां स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा पीएचसी कुलां का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और दी जा रही सेवाओं को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। डीसी ने एसडीएम टोहाना आकाश शर्मा के साथ कुलां स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण करते हुए मिड डे मील की खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने विभिन्न कक्ष, मिड डे मील व्यवस्था, कंप्यूटर लैब, स्टाफ रूम और प्राचार्य कक्ष का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की। उन्होंने स्कूलों के इंस्पेक्शन रजिस्टर पर हस्ताक्षर भी किए और मूलभूत सुविधाओं को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए।

टोहाना। विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण कर कार्य प्रणाली का जायजा लेते हुए डीसी डॉ. विवेक भारती।

पीएचसी कुलां व जाखल थाने का निरीक्षण

डीसी ने पीएचसी कुलां का भी दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में अनुशासन और नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जा डीसी ने उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए कि मरीजों के साथ कुशल और संवेदनशील व्यवहार किया जाए तथा उन्हें समय पर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाए। इसके बाद डीसी डॉ. विवेक भारती ने जाखल थाना का निरीक्षण करते हुए रिकॉर्ड रूम और मालखाना की व्यवस्थाओं की भी जांच की। उन्होंने क्राइम रजिस्टर, डाक रजिस्टर, चालान रसीद, सीएम विंडो शिकायत रजिस्टर तथा अटेंडेंस रजिस्टर की जांच कर रिकॉर्ड संधारण की स्थिति का अवलोकन किया।

कुलां, जाखल उप तहसील एवं बीडीपीओ कार्यालय का किया निरीक्षण

डीसी डॉ. विवेक भारती ने बुधवार को कुलां, जाखल उप तहसील व बीडीपीओ कार्यालय का निरीक्षण कर विभिन्न कार्यालयों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राजस्व विभाग से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

टोहाना बस स्टैंड का दौरा कर दिए निर्देश

डीसी डॉ. विवेक भारती ने बुधवार को टोहाना में बस स्टैंड परिसर का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान डीसी ने यात्रियों की सुविधा के लिए उपलब्ध बसों की समय सारिणी की जांच की तथा सम्बंधित रोडवेज कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डीसी ने यात्रियों को प्रदत्त सेवाओं की जानकारी भी ली। साथ ही बस स्टैंड परिसर में जन सेवाओं की उपलब्धता के बारे में भी कहा।

आरटीई के तहत निजी स्कूलों में दाखिले का शेड्यूल जारी

- 31 मार्च से होंगे ऑनलाइन आवेदन
- 25 मार्च से 30 मार्च तक सत्यापित स्कूलों की सूची सार्वजनिक की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और वंचित समूहों के बच्चों को निजी स्कूलों में शिक्षा का अवसर देने के लिए शिक्षा विभाग ने आरटीई के तहत दाखिले की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभाग ने प्रवेश प्रक्रिया का विस्तृत शेड्यूल जारी कर दिया है, जिसके अनुसार निर्धारित तिथियों के तहत स्कूलों में सीटों का निर्धारण, दस्तावेजों की जांच, ऑनलाइन आवेदन, लॉटरी और प्रवेश की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। बाल शिक्षा का निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (आरटीई) की धारा 12(1)(सी) के तहत निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए निर्धारित प्रतिशत सीटें आरक्षित करना अनिवार्य है। इस प्रावधान का उद्देश्य सभी वर्गों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान अवसर उपलब्ध करवाना है।

शिक्षा विभाग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार 11 मार्च से 17 मार्च तक जिले के सभी निजी स्कूल अपने-अपने यहां आरटीई के तहत उपलब्ध सीटों की संख्या जारी करेंगे। इसके बाद 18 मार्च से 24 मार्च तक जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा स्कूलों से प्राप्त सीटों और संबंधित दस्तावेजों की सत्यापन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। 25 मार्च से 30 मार्च तक सत्यापित स्कूलों की सूची सार्वजनिक की जाएगी। इसके बाद 31 मार्च से 7 अप्रैल तक उज्ज्वल पोर्टल पर पात्र बच्चों के अभिभावकों से ऑनलाइन आवेदन मांगे जाएंगे। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद शिक्षा विभाग द्वारा गठित रिजल्ट वैलिडेशन कमेटी 9 अप्रैल को लॉटरी के माध्यम से परिणाम घोषित करेगी और बच्चों को स्कूलों का आवंटन किया जाएगा। लॉटरी में चयनित बच्चों के दाखिले की प्रक्रिया 10 अप्रैल से 23 अप्रैल तक संबंधित स्कूलों में पूरी करवाई जाएगी। यदि किसी कारण से सीटें खाली रह जाती हैं तो उन्हें भरने के लिए 30 अप्रैल से 4 मई तक वेटिंग सूची जारी की जाएगी। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से ऑनलाइन माध्यम से पूरी की जाएगी, ताकि पात्र बच्चों को बिना किसी परेशानी के शिक्षा का अवसर मिल सके।

निर्धारित प्रतिशत सीटें आरक्षित करना अनिवार्य

नोडल अधिकारी अमित मनहर ने बताया कि आरटीई की धारा 12 (1)(सी) के तहत निजी गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों में आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए निर्धारित प्रतिशत सीटें आरक्षित करना अनिवार्य है। 11 मार्च से 17 मार्च तक जिले के सभी निजी स्कूल अपने-अपने यहां आरटीई के तहत उपलब्ध सीटों की संख्या जारी करेंगे। इसके बाद स्कूलों के दस्तावेजों की जांच की जाएगी।

सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी से लाखों की ठगी

- पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए छह ठग पकड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

पुलिस क्रेडिट कार्ड बनवाने के नाम पर चार लाख 90 हजार रुपये की ठगी करने वाले छह आरोपियों को दिल्ली क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान विक्की, आशीष कुमार, आफताब अंसारी, रवि, साहिल खान व युसूफ के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक से सेवानिवृत्त कमचारी नें पुलिस को शिकायत में बताया कि उसकी फेसबुक आईडी पर रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए फ्री केडिट कार्ड बनवाने की स्कीम का एक ऑफर दिखाई दिया। उसने लालच में आकर जैसे ही उस लिंक पर क्लिक किया तो उसके सामने कुछ फॉर्म भरने के लिए ऑप्शन खुल गए। उसने फॉर्म भरकर जैसे ही सबमिट किया तो उसके मोबाइल फोन में पहले से मौजूद यूएनओ एसबीआई एप अपने आप सक्रिय हो गया और उसका मोबाइल फोन हैक हो गया। जब तक उसे इस धोखाधड़ी का एहसास होता तब तक साइबर अपराधियों ने उसके बैंक खाते से चार लाख 90 हजार रुपये निकाल चुके थे।

सिरसा। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए साइबर ठग।

कोलकाता से जुड़े तार

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके बैंक खातों का इस्तेमाल कोलकाता में बैठे मुख्य साइबर अपराधियों द्वारा किया जा रहा था। पूछताछ के दौरान इस गिरोह के अन्य साथियों की भी पहचान कर ली गई है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए साइबर थाना पुलिस की टीम लगातार दबिश दे रही है। एसपी दीपक सहारण ने बताया कि मामले की जांच जारी है और इस साइबर धोखाधड़ी में जो भी व्यक्ति संलिप्त पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लाखों रुपये की हेरोइन के साथ पुलिस ने तीन तस्करों को किया गिरफ्तार

- नशे के खिलाफ सख्त हुई जिले की पुलिस, कई जगह चेकिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

पुलिस ने नशा तस्करों पर कार्रवाई करते हुए सिरसा जिले क्षेत्र से तीन हेरोइन तस्करों को गिरफ्तार किया है। सिरसा के पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने बुधवार को बताया कि पकड़ी गई हेरोइन की कीमत लाखों रुपये आकी गई है। एसपी ने बताया कि पकड़े गए तस्करों की पहचान दीलबीर सिंह, सिकंदर सिंह व मनीष कुमार के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गांव रोहण क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान बस स्टैंड के निकट मोटरसाइकिल सवार दो युवक आते हुए दिखाई दिए जो कि पुलिस टीम को देखकर भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने शक के आधार पर उन्हें काबू कर तलाशी ली तो उनके कब्जे से 51 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। वहीं एक अन्य घटना में पुलिस ने गांव निरबाण क्षेत्र से मनीष कुमार को छह ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है।

सिरसा। हेरोइन सहित पकड़े गए आरोपी।

इसके अलावा रोड़ी थाना पुलिस ने हेरोइन बरामदगी मामलें में सप्लायर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बीते दिवस रोड़ी क्षेत्र में नाकाबंदी कर दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नौ ग्राम हेरोइन बरामद की थी। आरोपियों से पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि हेरोइन सुखदीप सिंह ने उन्हें सप्लाई की थी। पुलिस ने जाचं के दौरान सप्लायर आरोपी सुखदीप सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

फर्जी बैंक खाता खोलकर लोन की राशि की थी ट्रांसफर, दबोचा

- धोखाधड़ी की शिकायत पर पुलिस ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फर्जी बैंक खाता खोलकर लोन की राशि अपने खाते में ट्रांसफर कर धोखाधड़ी करे के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कर्ण सिंह पुत्र चरणजीत निवासी आहलूवाल, जिला मानसा, पंजाब के रूप में हुई है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि इस बारे पुलिस ने गांव धारनियां निवासी दौलत राम की शिकायत पर केस दर्ज किया था। पुलिस को दी शिकायत में दौलतराम ने बताया कि आरोपियों द्वारा 5 लाख रुपये का लोन दिलवाने का झांसा देकर पीड़ित के मोबाइल का उपयोग कर चोरी-छिपे आरबीएल बैंक में एक नया खाता खोल दिया और रिंग लोन ऐप के माध्यम से 25 हजार रुपये का लोन स्वीकृत करवा लिया। फीस कटने के बाद खाते में आई 23,230 रुपये की राशि को आरोपी ने उसी दिन चालाकी से अपने बैंक खाते में ट्रांसफर कर लिया। पीड़ित को इस ठगी का पता तब चला जब उसके पास लोन की किस्तें भरने के मैसेज और फोन आने लगे। पीड़ित की शिकायत पर थाना सदर फतेहाबाद में मामला दर्ज किया गया।

क्रेडिट कार्ड का एक्सेस लेकर हजारों की ठगी का चौथा आरोपी भी किया गिरफ्तार

- गिरफ्तार आरोपी नागालैंड का मोमिन अहमद निकला

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

क्रेडिट कार्ड का एक्सेस लेकर हजारों रुपये की ठगी करने के मामले में कार्रवई करते हुए साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने चौथे आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोमिन अहमद पुत्र अब्दुल सलाम निवासी कोहिमा, नगालैंड के रूप में हुई है। साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक राहुल देव ने बताया कि फतेहाबाद के शिव नगर निवासी जोगिंदर कुमार की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता ने बताया था कि 9 दिसंबर 2024 को उनके मोबाइल पर एक अनजान लिंक आया था। उस लिंक पर क्लिक होते ही फोन में एक एपीके फाइल डाउनलोड हो गई, जिससे उनके फोन का पूरा एक्सेस साइबर ठगों के पास चला गया। इसके बाद ठगों ने उनके एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड से 75 हजार 900 रुपये की अवैध ट्रांजैक्शन कर ली। शिकायत के आधार पर थाना साइबर फतेहाबाद में 22 अप्रैल 2025 को केस दर्ज किया गया था। इस मामले में तकनीकी जांच और बैंक खातों के विश्लेषण के आधार पर तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब कोहिमा में दबिश देकर चौथे आरोपी मोमिन अहमद को दबोचा गया है।

फतेहाबाद। साइबर ठगी मामले में गिरफ्तार युवक।

फेसबुक पर पिस्टल के साथ फोटो पोस्ट करने में युवक को भेजा जेल

- सोशल मीडिया पर असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन कर कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ फतेहाबाद पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में थाना शहर टोहाना पुलिस ने फेसबुक पर अवैध पिस्टल के साथ फोटो डालकर आमजन में भय पैदा करने के मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सतबीर उर्फ सत्तू पुत्र रामलाल निवासी भाटिया नगर, टोहाना के रूप में हुई है। थाना प्रभारी कुलदीप ने बताया कि यह मामला जून 2024 में तब सामने आया था जब पुलिस टीम को सूचना मिली कि जसप्रीत सिंह उर्फ जस्सी उर्फ लब्बू नाम का युवकफेसबुक आईडी से अपनी फोटो के साथ अवैध पिस्टल की तस्वीरें साझा कर रहा है। इन तस्वीरों के माध्यम से सोशल मीडिया पर आमजन के बीच दहशत और भय का माहौल बनाया जा रहा था। साक्ष्यों के आधार पर थाना शहर टोहाना में आम्र्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले में पुलिस दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जांच को आगे बढ़ाते हुए, पुलिस टीम ने अब तीसरे आरोपी सतबीर उर्फ सत्तू को काबू किया है।

लोगों ने चौधरी देवीलाल सामुदायिक पार्क की सफाई करने की उठाई मांग

- पार्क में फैली गंदगी के प्रति गंभीर चिंता प्रकट की

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष कृष्णा फौगाट ने चौधरी देवीलाल सामुदायिक पार्क में फैली गंदगी के प्रति गंभीर चिंता प्रकट की है। कांग्रेस नेत्री कृष्णा फौगाट ने जारी बयान कहा कि इस पार्क में पिछले चार माह से कोई भी सफाई नहीं हुई जिसके चलते समीपस्थ राम कॉलोनी, हुडा सेक्टर-20, अजय विहार, डीसी कॉलोनी, एडीसी कॉलोनी की सैकड़ों महिलाएं व पुरुष यहां प्रतिदिन सुबह शाम सैर को आते हैं मगर उन्हें यहां गंदगी के दर्शन होते हैं जिससे यहां स्वस्थ होने की बजाए गंभीर रूप से बीमार होने की आशंका बढ़ रही है। कांग्रेस महिला जिलाध्यक्ष कृष्णा फौगाट ने कहा कि यहां फैली गंदगी और टूटे हुए बैंचों व अन्य संसाधनों के प्रति गंभीरता न दिखलाने से नगरपरिषद प्रशासन की उदासीनता भी जाहिर होती है। उन्होंने स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों से इस गंभीर समस्या के प्रति अविलंब कदम उठाने का आग्रह किया ताकि शहरवासियों को इस पार्क में सैर करने का लाभ प्राप्त हो सके।

सिरसा। चौ. देवीलाल सामुदायिक पार्क में फैली गंदगी।

सुनील की अनोखी पहल किसानों के लिए बनी प्रेरणा

ड्रैगन फ्रूट के बीच उगाई पांच फुट ऊंची गेहूं की फसल

रण सिंह माचरा ⏭ भट्टूकलां

कहते हैं कि खेती में अगर नई सोच और मेहनत हो तो कम जमीन से भी बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। राजस्थान की सीमा से सटे भट्टू के गांव दैय्यड़ के प्रगतिशील किसान सुनील कुमार बरड़वाल ने इसका बेहतरीन उदाहरण पेश किया है। उन्होंने ड्रैगन फ्रूट की खेती के साथ-साथ गेहूं की फसल लेकर एक नई मिसाल कायम की है। करीब तीन साल पहले सुनील कुमार बरड़वाल ने अपनी लगभग दो एकड़ जमीन में ड्रैगन फ्रूट के पौधे लगाए थे। मेहनत और सही देखभाल के कारण उन्हें ड्रैगन फ्रूट की अच्छी पैदावार मिली और इससे लाखों रुपये का मुनाफा भी हुआ। लेकिन उन्होंने यहीं रुकना उचित नहीं समझा और उसी खेत में गेहूं की खेती कर एक और प्रयोग शुरू किया। ड्रैगन फ्रूट के पौधों के बीच उन्होंने 306 नंबर वैरायटी के गेहूं की बिजाई की है। इस फसल की सबसे खास बात यह है कि गेहूं की ऊंचाई करीब पांच फुट तक पहुंच चुकी है और फसल की स्थिति देखकर अच्छी पैदावार की उम्मीद जताई जा रही है। सुनील कुमार बरड़वाल बताते हैं कि उन्होंने इस गेहूं की बिजाई पुरानी पारंपरिक पद्धति से ऊंट के माध्यम से करवाई है। खास बात यह भी है कि इस फसल में किसी प्रकार का रासायनिक खाद या केमिकल इस्तेमाल नहीं किया गया।

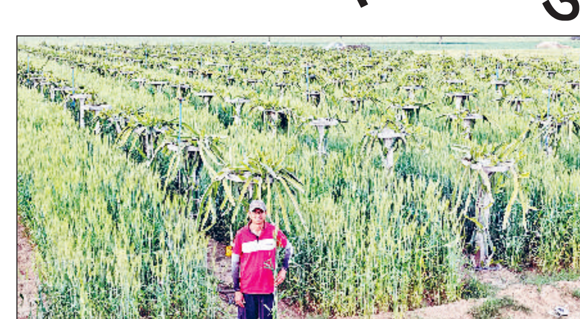

भट्टूकलां। ड्रैगन फूरट के पौधे के बीच खड़ी गेहूं की फसल।

दिल्ली में मिल चुका है पुरस्कार

सुनील का मानना है कि अगर किसान आधुनिक और पारंपरिक तरीकों का सही संतुलन बनाकर खेती करें तो कम लागत में भी बेहतर उत्पादन हासिल किया जा सकता है। ड्रैगन फ्रूट जैसे बागवानी पौधों के बीच दूसरी फसल लेकर किसान अपनी आय को दोगुना तक बढ़ा सकते हैं। खेती में नवाचार और उत्कृष्ट कार्य के लिए सुनील कुमार बरड़वाल को दिल्ली में सर्वश्रेष्ठ किसान का पुरस्कार भी मिल चुका है। उनके इस प्रयोग से आसपास के किसान भी प्रेरित हो रहे हैं और कई किसान अब इस मॉडल को अपनाने की तैयारी कर रहे हैं। गांव दैय्यड़ में किया गया यह प्रयोग यह साबित करता है कि नई सोच, मेहनत और प्राकृतिक खेती के साथ किसान न केवल बेहतर उत्पादन ले सकते हैं, बल्कि खेती को लाभकारी व्यवसाय भी बना सकते हैं।